एफआरआई में हिन्दी भाषा पर कार्यशाला आयोजित

हिन्दी देश को जोड़ने वाली भाषा: डा. सविता

■ हिन्दी में कार्य करने के लिये किया प्रोत्साहित

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान में हिन्दी भाषा पर आयोजित कार्यशाला में वन अनुसंधान संस्थान की निद. शक डॉ. सविता ने कहा कि हिन्दी में काम करना आसान है। हिन्दी देश को जोड़ने वाली भाषा है। डॉ. सविता ने सभी प्रतिभागियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया और आमंत्रित वक्ता डा सकलानी का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी दी गई जानकारी से सभी प्रतिभागी लाभान्वित होंगे।

हिंदी अनुभाग वन अनुसंधान संस्थान ने विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान के सम्मेलन कक्ष में संस्थान के विभिन्न प्रभागों व अनुभागों के राजभाषा नोडल अधिकारियों के लिए राजभाषा अधिनियमों की जानकारी एवं हिंदी तिमाही प्रगति रिपोर्ट के प्रपत्र में उचित प्रविष्टी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ संस्थान निद. शक डॉ. सविता ने किया।

कार्यशाला में आमंत्रित विशेष वक्ता विषय विशेषज्ञ डॉ. एम.आर. सकलानी, पूर्व राजभाषा निदेशक एवं सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति देहरादून ने सभी प्रतिभागियों को विस्तार से राजभाषा अधिनियमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हिन्दी शुरू से ही राष्ट्रीय एकता, धार्मिक सहिष्णुता और प्रेम व्यवहार की भाषा रही है। इसलिए यह राष्ट्रीय एकता की कड़ी के रूप में कार्य करती है। हम सभी को संविधान की भावनाओं का सम्मान करने हुए अपना ज्यादा से ज्यादा काम हिन्दी में करने का प्रयास करें। कार्यशाला के दूसरे सत्र में रमेश सिंह ने सभी प्रतिभागियों को हिंदी प्रगति का त्रैमासिक विवरणी संबंधी प्रपत्र में उचित प्रकार से आँकड़ें प्रविष्ट करने की जानकारी दी। कार्यशाला में संस्थान की कुलसचिव नीलिमा शाह भी उपस्थित रही, सम्पूर्ण कार्यक्रम रामबीर सिंह, वैज्ञानिक-डी एवं प्रभारी अधिकारी (हिंदी) ने संचालित किया।

हिंदी भाषा में कार्य करने पर दिया जोर

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो

uttarbharatlive.com

» वन अनुसंधान संस्थानकार्यशाला का किया आयोजन

» कार्यशाला का शुभारम्भ संस्थान निदेशक डा. सविता द्वारा किया

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान द्वारा विस्तार प्रभाग के सम्मेलन कक्ष में संस्थान के विभिन्न प्रभागों/अनुभागों के राजभाषा नोडल अधिकारियों के लिए राजभाषा अधिनियमों की जानकारी एवं हिंदी तिमाही प्रगति रिपोर्ट के प्रपत्र में उचित प्रविष्टी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ संस्थान निदेशक डा सविता द्वारा किया गया।

डा. सविता ने सभी प्रतिभागियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया और आमंत्रित वक्ता डा. सकलानी जी का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके द्वारा दी गई जानकारी से सभी प्रतिभागी लाभान्वित होंगे।

तत्पश्चात कार्यशाला में आमंत्रित विशेष वक्ता विषय विशेषज्ञ डा. एमआर सकलानी, पूर्व राजभाषा निदेशक एवं सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति देहरादून द्वारा सभी प्रतिभागियों को विस्तार से राजभाषा अधिनियमों की जानकारी उपलब्ध कराई गई। उन्होंने कहा कि हिन्दी शुरू से ही राष्ट्रीय एकता, धार्मिक सहिष्णुता और प्रेम व्यवहार की भाषा रही है। इसलिए यह राष्ट्रीय एकता की कड़ी के रूप में कार्य करती है। अत हम सबका यह परम् कर्तव्य है कि हम सभी संविधान की भावनाओं का सम्मान करने हुए अपना ज्यादा से ज्यादा काम हिन्दी में करने का प्रयास करें। कार्यशाला के दूसरे सत्र में रमेश सिंह द्वारा सभी प्रतिभागियों को हिंदी प्रगति का त्रैमासिक विवरणी संबंधी प्रपत्र में उचित प्रकार से आंकड़ें प्रविष्ट करने की जानकारी दी। कार्यशाला में संस्थान की कुलसचिव नीलिमा शाह, रामबीर सिंह, वैज्ञानिक डी एवं प्रभारी अधिकारी हिंदी द्वारा संचालित किया गया।

राजभाषा हिंदी के प्रयोग पर दिया जोर

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान के हिंदी अनुभाग द्वारा मंगलवार को संस्थान के विभिन्न प्रभागों के राजभाषा नोडल अधिकारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारंभ संस्थान की निदेशक डा. सविता ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक कार्यों में भी हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग किया जाना चाहिए। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य सचिव डा. एमआर सकलानी ने वतौर मुख्य वक्ता कार्यशाला में प्रतिभाग कर रहे राजभाषा अधिकारियों को राजभाषा अधिनियमों की जानकारी दी। कहा कि हिंदी शुरू से ही राष्ट्रीय एकता, धार्मिक सहिष्णुता और प्रेम व्यवहार की भाषा रही है। इसलिए यह राष्ट्रीय एकता की कड़ी के रूप में कार्य करती है। सबका कर्तव्य है कि हम सभी संविधान की भावनाओं का सम्मान करते हुए अपना ज्यादा से ज्यादा काम राजभाषा हिंदी में करने का प्रयास करें। कार्यशाला के दूसरे सत्र में रमेश सिंह ने प्रतिभागियों को हिंदी प्रगति की त्रैमासिक विवरणी संबंधी प्रपत्र में उचित प्रकार के आंकड़े प्रविष्ट करने की जानकारी दी। संस्थान की कुल सचिव नीलिमा शाह, वरिष्ठ वैज्ञानिक रामवीर सिंह आदि भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

हिंदी में कार्य करने का आह्वान

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान की ओर से मंगलवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ संस्थान की निदेशक डॉ. सविता ने किया। उन्होंने हिंदी भाषा में कार्य करने का आह्वान किया। कार्यशाला में आमंत्रित विशेष वक्ता डॉ. एमआर सकलानी ने कहा कि हिंदी राष्ट्रीय एकता, धार्मिक सहिष्णुता और प्रेम व्यवहार की भाषा है। इस दौरान नीलिमा शाह, रामबीर सिंह आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय एकता की भाषा है हिंदी

देहरादून: वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआइ) में राजभाषा हिंदी पर आयोजित कार्यशाला में हिंदी के प्रचार-प्रसार पर बल दिया गया।

मंगलवार को आयोजित कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के पूर्व सदस्य सचिव एमआर सकलानी ने राजभाषा अधिनियम की जानकारी दी। इसके साथ ही हिंदी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी शुरू से ही राष्ट्रीय एकता की भाषा रही है। हिंदी सहिष्णुता और प्रेम व्यवहार की भाषा के रूप में भी विख्यात है। सभी को संविधान की भावना का सम्मान करते हुए ज्यादा से ज्यादा काम को हिंदी में करना चाहिए। कार्यशाला के दूसरे सत्र में रमेश सिंह ने हिंदी प्रगति की त्रैमासिक